पाठ - 10
चिड़िया का गीत

1. नीचे गुरूमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें -

1. ਘਰ = **घर**
2. ਅੰਡੇ = **अंडे**
3. ਸੰਸਾਰ = **संसार**

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें -

1. ਸ਼ਕਲ = **आकार**
2. ਕੋਮਲ, ਨਾਜ਼ੁਕ = **सुकुमार**
3. ਟਹਿਣੀਆਂ = **शाखाएँ**
4. ਆਲ੍ਹਣਾ = **घोंसला**
5. ਤੀਲੇ = **तिनके**
6. ਖੰਭ = **पंख**
7. ਦੁਨੀਆਂ = **संसार**
8. ਖਿੰਡੇਰ = **पसार**

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें -

प्र - (क) चिड़िया के घर का आकार सबसे पहले कैसा था ?
उ - (क) चिड़िया के घर का आकार सबसे पहले अंडे जैसा था ।

प्र - (ख) चिड़िया का घोंसला किस चीज़ से बना था ?
उ - (ख) चिड़िया का घोंसला सूखे तिनकों से बना था ।

प्र - (ग) पेड़ की शाखाएँ कैसी थी ?
उ - (ग) पेड़ की शाखाएँ हरी-भरी तथा कोमल थी ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें -

प्र - (क) खुले-आसमान में उड़ते हुए चिड़िया को क्या समझ में आया ?

उ - (क) खुले-आसमान में उड़ते हुए चिड़िया को समझ में आया कि यह संसार बहुत बड़ा है। यह संसार उसके अंडे जितना या छोटे से घोंसले जितना ही नहीं है, बल्कि इसका तो कोई ओर-छोर ही नहीं है।

प्र - (ख) प्रस्तुत कविता में कवि ने अंडा, घोंसला, शाखा और आसमान द्वारा चिड़िया के ज्ञान की निरन्तर प्रगति दिखाई है। क्या आपको भी छठी कक्षा तक पहुँचते-पहुँचते कोई प्रगति अपने आप में दिखाई दे रही है? यदि हाँ, तो अपनी प्रगति अपनी भाषा में लिखें

उ - (ख) छठी कक्षा तक आते-आते हमें भी अपने आप में प्रगति दिखाई दी है। इससे पहले मैं जब पाँचवीं में था, तो पेंसिल से काम करना पड़ता था। अब छठी कक्षा में आकर हमें लगता है कि हम बहुत बड़े हो गए हैं क्योंकि अब हम पेन से काम करते हैं ।

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करें -

प्र - (क) फिर मेरा घर बना..... ,

..... से तैयार ।

उ - (क) फिर मेरा घर बना घोंसला ,

सूखे तिनकों से तैयार ।

प्र - (ख) आखिर जब मैं आसमान में,

..... ।

तभी समझ में मेरी आया,

..... ।

उ- (ख) आखिर जब मैं आसमान में,

उड़ी दूर तक पंख पसार ।

तभी समझ में मेरी आया,

बहुत बड़ा है यह संसार ।

6. चिड़िया के घोंसले में से चुनकर पर्यायवाची शब्द लिखें -

1. घर = ग्रह, आलय
2. संसार = जग, जगत
3. घोंसला = नीड़, घरौंदा
4. सुकुमार = कोमल, मृदु
5. शाखा = टहनी, डाली
6. आसमान = नभ, गगन

7. विपरीत शब्दों का मिलान करें -

सूखे	बाद में
सुकुमार	सूखी
पहले	छोटा
दूर	पास
हरी-भरी	गीले
बड़ा	कठोर

1. सूखे = गीले
2. सुकुमार = कठोर
3. पहले = बाद में
4. दूर = पास
5. हरी-भरी = सूखी
6. बड़ा = छोटा

8. 'सुकुमार' शब्द में 'कुमार' शब्द के आगे 'सु' शब्दांश लगा है । इसी प्रकार 'सु' लगाकर नये शब्द बनायें -

1. सु + पुत्र = सुपुत्र
2. सु + पुत्री = सुपुत्री
3. सु + गंध = सुगंध
4. सु + कोमल = सुकोमल
5. सु + कर्म = सुकर्म
6. सु + नयन = सुनयन

9. कविता में 'मैं' सर्वनाम के चार रूप आये हैं। इसी प्रकार अन्य सर्वनाम के रूप लिखें -

1. मैं - मेरा - मेरी - मेरे
2. हम - हमारा - हमारी - हमारे
3. तू - तेरा - तेरी - तेरे
4. तुम - तुम्हारा - तुम्हारी - तुम्हारे

शिक्षा विभाग , पंजाब

मार्गदर्शक
डॉ. सुनील बहल
स्टेट रिसोर्स पर्सन (हिंदी व पंजाबी)

प्रस्तुति:
वीरपाल शर्मा,
हिंदी शिक्षिका,
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाहूमणिआँ
जालंधर ।

संशोधक:
पंकज माहर,
हिंदी अध्यापिका,
स.मॉ.सी.से.स्कूल,
लाडोवाली रोड,
जालंधर ।

संयोजक:
राजन,
हिंदी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
लोहारका कलाँ,
अमृतसर ।